चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5-11-26	05	6-8

हकृवि और टैफे ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए किया एमओयू

हिसार, 3 नवम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और कृषि उपकरणों को बेहतर बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत किसानों की जरूरत के अनुसार ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों का परीक्षण एवं मूल्यांकन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीजों के प्रचार एवं प्रसार के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में टैफे कंपनी के साथ हुए समझौते के दौरान कंपनी की ओर से उपाध्यक्ष मनोहरन सुंदरम, वरिष्ठ प्रधान अभियंता कीर्ति शंकरन व वरिष्ठ प्रबंधक हरजीत सिंह मौजूद रहे।



समझौते के दौरान उपस्थित अधिकारी।

किसानों तक पहुंचेगी बेहतर तकनीक : विस्तार शिक्षा निदेशक एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि यह समझौता विश्वविद्यालय, किसानों और उद्योग के बीच सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे कृषि मशीनरी के परीक्षण, अनुसंधान और सुधार में मदद मिलेगी तथा बेहतर कृषि तकनीक किसानों तक पहुंचाई जा सकेगी। उन्होंने बताया कि इस साझेदारी में हकृवि की कृषि विशेषज्ञता और टैफे के ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण बनाने के अनुभव का लाभ मिलेगा। समझौते के तहत टैफे द्वारा आरडीएस सीड्स फार्म को दो ट्रैक्टर उपलब्ध करवाए जाएंगे। इन ट्रैक्टरों का विभिन्न कृषि कार्यों में उपयोग कर उनके प्रदर्शन का वैज्ञानिक तरीके से मूल्यांकन किया जाएगा। किसानों की जरूरत के अनुसार बनेंगे उपकरण अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि इस सहयोग से किसानों की वास्तविक जरूरतों को समझने में मदद मिलेगी। खेतों में ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान आने वाली समस्याओं का अध्ययन किया जाएगा और इसकी जानकारी उद्योग तक पहुंचाई जाएगी।

कृषि कार्यों में बढ़ेगी दक्षता : फार्म के निदेशक-कम-नियंत्रण अधिकारी डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्मों में इस तरह की संयुक्त पहल से कृषि कार्यों की दक्षता बढ़ाने और आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कृषि यंत्रीकरण से समय और श्रम की बचत होती है तथा खेती के कार्य अधिक आसान, वैज्ञानिक और प्रभावी बनाए जा सकते हैं। इस अवसर पर मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	03.11.26	-----	----

हकृवि और टैफे ने कृषि यंत्रीकरण के लिए किया एमओयू



सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और कृषि उपकरणों को बेहतर बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत किसानों की जरूरत के अनुसार ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों का परीक्षण एवं मूल्यांकन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीजों के प्रचार एवं प्रसार के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में टैफे कंपनी के साथ हुए समझौते के दौरान कंपनी की ओर से उपाध्यक्ष मनोहरन सुंदरम, वरिष्ठ प्रधान अभियंता कीर्ति शंकरन व वरिष्ठ प्रबंधक हरजीत सिंह मौजूद रहे।

विस्तार शिक्षा निदेशक एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि यह समझौता विश्वविद्यालय, किसानों और उद्योग के बीच सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे कृषि मशीनरी के परीक्षण, अनुसंधान और सुधार में मदद मिलेगी तथा बेहतर कृषि तकनीक किसानों तक पहुंचाई जा सकेगी। इस अवसर पर मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	03.11.26	-----	----

हकृवि और टैफे ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए किया एमओयू

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और कृषि उपकरणों को बेहतर बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत किसानों की जरूरत के अनुसार ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों का परीक्षण एवं मूल्यांकन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीजों के प्रचार एवं प्रसार के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में टैफे कंपनी के साथ हुए समझौते के दौरान कंपनी की ओर से उपाध्यक्ष मनोहरन सुंदरम, वरिष्ठ प्रधान अभियंता कीर्ति शंकरन व वरिष्ठ प्रबंधक हरजीत सिंह मौजूद रहे।



किसानों तक पहुंचेगी बेहतर तकनीक

विस्तार शिक्षा निदेशक एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि यह समझौता विश्वविद्यालय, किसानों और उद्योग के बीच सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे कृषि मशीनरी के परीक्षण, अनुसंधान और सुधार में मदद मिलेगी तथा बेहतर कृषि तकनीक किसानों तक पहुंचाई जा सकेगी। उन्होंने बताया कि इस साझेदारी में हकृवि की कृषि विशेषज्ञता और टैफे के ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण बनाने के अनुभव का लाभ मिलेगा। समझौते के तहत टैफे द्वारा आरडीएस सीड्स फार्म को दो ट्रैक्टर उपलब्ध करवाए जाएंगे। इन ट्रैक्टरों का विभिन्न कृषि कार्यों में उपयोग कर उनके प्रदर्शन का वैज्ञानिक तरीके से मूल्यांकन किया जाएगा।

किसानों की जरूरत के अनुसार बनेंगे उपकरण

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि इस सहयोग से किसानों की वास्तविक जरूरतों को समझने में मदद मिलेगी। खेतों में ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान आने वाली समस्याओं का अध्ययन किया जाएगा और इसकी जानकारी उद्योग तक पहुंचाई जाएगी। इससे किसानों के लिए अधिक उपयोगी, आसान और बेहतर कृषि उपकरण विकसित करने में मदद मिलेगी।

कृषि कार्यों में बढ़ेगी दक्षता

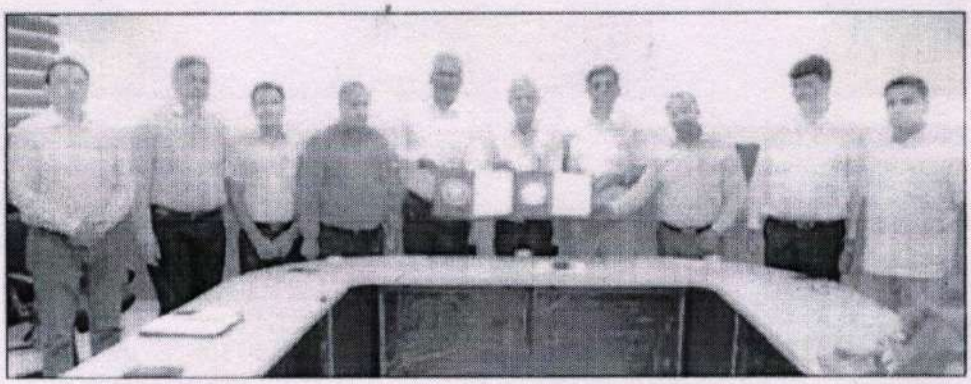
फार्म के निदेशक-कम-नियंत्रण अधिकारी डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्मों में इस तरह की संयुक्त पहल से कृषि कार्यों की दक्षता बढ़ाने और आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कृषि यंत्रीकरण से समय और श्रम की बचत होती है तथा खेती के कार्य अधिक आसान, वैज्ञानिक और प्रभावी बनाए जा सकते हैं। इस अवसर पर मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प्रेस की ताकत	03.11.26	-----	----

हकृवि और टैफे ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए किया एमओयू

प्रेस की ताकत संवाददाता
नरेन्द्र ख्यालिया



हिसार, 3 नवंबर- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और कृषि उपकरणों को बेहतर बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत किसानों की जरूरत के अनुसार ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों का परीक्षण एवं मूल्यांकन किया जाएगा। कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीजों के प्रचार एवं प्रसार के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में टैफे कंपनी के साथ हुए समझौते के दौरान कंपनी की ओर से उपाध्यक्ष मनोहरन सुंदरम, वरिष्ठ प्रधान अभियंता कीर्ति शंकरन व वरिष्ठ प्रबंधक हरजीत सिंह मौजूद रहे। विस्तार शिक्षा निदेशक एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ नरेश कौशिक ने बताया कि यह समझौता विश्वविद्यालय, किसानों और उद्योग के बीच सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे कृषि मशीनरी के परीक्षण, अनुसंधान और सुधार में मदद मिलेगी तथा बेहतर कृषि तकनीक किसानों तक पहुंचाई जा सकेगी। उन्होंने बताया कि इस साझेदारी में हकृवि की कृषि विशेषज्ञता और टैफे के ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण बनाने के अनुभव का लाभ मिलेगा। इन ट्रैक्टरों का विभिन्न कृषि कार्यों में उपयोग कर उनके प्रदर्शन का वैज्ञानिक तरीके से मूल्यांकन किया जाएगा। अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने कहा कि इस सहयोग से किसानों की वास्तविक जरूरतों को समझने में मदद मिलेगी। खेतों में ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान आने वाली समस्याओं का अध्ययन किया जाएगा और इसकी जानकारी उद्योग तक पहुंचाई जाएगी। इससे किसानों के लिए अधिक उपयोगी, आसान और बेहतर कृषि उपकरण विकसित करने में मदद मिलेगी। फार्म के निदेशक-कम-नियंत्रण अधिकारी डॉ संजय ठकराल ने बताया कि विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्मों में इस तरह की संयुक्त पहल से कृषि कार्यों की दक्षता बढ़ाने और आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कृषि यंत्रीकरण से समय और श्रम की बचत होती है तथा खेती के कार्य अधिक आसान, वैज्ञानिक और प्रभावी बनाए जा सकते हैं। इस अवसर पर मीडिया एडवाइजर डॉ संदीप आर्य, डॉ योगेश जिंदल, डॉ जितेन्द्र भाटिया व डॉ अनुराग उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	04.11.26	-----	----

हकृवि व टैफे में समझौता, किसानों की जरूरत के अनुसार विकसित होंगे कृषि उपकरण

हिसार, 3 नवम्बर (सच कहूँ/मांगे लाल)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) और ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) के बीच कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत किसानों की जरूरतों के अनुसार ट्रैक्टरों और कृषि उपकरणों का परीक्षण एवं मूल्यांकन कर उनमें सुधार किया जाएगा। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान और तकनीकी विकास के लिए निजी कंपनियों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। समझौते के तहत टैफे की ओर से आरडीएस सीड्स फार्म को दो ट्रैक्टर उपलब्ध करवाए जाएंगे। विस्तार शिक्षा एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि इस साझेदारी से विश्वविद्यालय की कृषि विशेषज्ञता और कंपनी के तकनीकी अनुभव का लाभ मिलेगा। वहीं, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि खेतों में उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान आने वाली समस्याओं का अध्ययन कर कंपनी को सुझाव दिए जाएंगे, ताकि किसानों के लिए अधिक उपयोगी उपकरण विकसित हो सकें। फार्म निदेशक डॉ. संजय ठकराल ने कहा कि कृषि यंत्रीकरण से समय और श्रम की बचत होगी तथा खेती के कार्य अधिक आसान और प्रभावी बनेंगे। इस अवसर पर कंपनी के उपाध्यक्ष मनोहरन सुंदरम, वरिष्ठ प्रधान अभियंता कीर्ति शंकरन, वरिष्ठ प्रबंधक हरजीत सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेंद्र भाटिया व डॉ. अनुराग मौजूद रहे।



हकृवि और टैफे के बीच समझौते के दौरान उपस्थित अधिकारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	4-11-26	06	2-6

समझौता • टैफे कंपनी एचएयू के आरडीएस सीड्स फार्म को दो अत्याधुनिक ट्रैक्टर उपलब्ध करवाएगी

एचएयू और टैफे के बीच करार : अब किसानों की जरूरत के हिसाब से खेतों में दौड़ेंगे ट्रैक्टर

भास्कर न्यूज | हिसार

कृषि क्षेत्र में यंत्रीकरण को बढ़ावा देने, खेती को और अधिक किफायती व आसान बनाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने ट्रैक्टर और कृषि उपकरण निर्माता कंपनी ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड टैफे के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य किसानों की व्यावहारिक जरूरतों के अनुरूप कृषि उपकरणों को बेहतर बनाना और उनका वैज्ञानिक मूल्यांकन करना है।

एचएयू द्वारा कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीजों के प्रचार एवं प्रसार के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं।

कृषि कार्यों में बढ़ेगी दक्षता: एचएयू फार्म के निदेशक-कम-नियंत्रण अधिकारी डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि एचएयू के अनुसंधान फार्मों में इस तरह की संयुक्त पहल से कृषि कार्यों की दक्षता बढ़ाने और आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने में मदद मिलेगी। कृषि यंत्रीकरण से समय और श्रम की बचत होती है तथा खेती के कार्य अधिक आसान, वैज्ञानिक और प्रभावी बनाए जा सकते हैं।



हिसार | समझौते के दौरान उपस्थित अधिकारी। एमओयू के दौरान कंपनी की ओर से उपाध्यक्ष मनोहरन सुंदरम, वरिष्ठ प्रधान अभियंता कीर्ति शंकरन व वरिष्ठ प्रबंधक हरजीत सिंह मौजूद रहे। इस अवसर पर मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

जानिए... एमओयू के तहत एचएयू में होंगे ये प्रमुख कार्य

- इस समझौते के दायरे में विवि परिसर और इसके फार्मों में कई तरह की तकनीकी और प्रायोगिक गतिविधियां चलाई जाएंगी, जिनका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा।
- **ट्रैक्टरों का वैज्ञानिक प्रदर्शन और मूल्यांकन:** टैफे कंपनी एचएयू के आरडीएस सीड्स फार्म को दो अत्याधुनिक ट्रैक्टर उपलब्ध करवाएगी। इन ट्रैक्टरों का उपयोग विभिन्न कृषि कार्यों में किया जाएगा और वैज्ञानिक तरीके से इनके परफॉर्मेंस का मूल्यांकन होगा।
- **खेतों की वास्तविक समस्याओं का अध्ययन:** फसल की बुआई से लेकर कटाई तक खेतों में ट्रैक्टर व अन्य उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान आने वाली तकनीकी अड़चनों और व्यावहारिक समस्याओं का बारीकी से अध्ययन किया जाएगा।
- **उद्योग तक पहुंचेगा फीडबैक:** वैज्ञानिकों द्वारा जुटाए गए इस फीडबैक और डेटा को सीधे निर्माण कंपनी टैफे तक पहुंचाया जाएगा, जिससे भविष्य में किसानों के लिए अधिक उपयोगी, टिकाऊ और सहूलियत भरे कृषि उपकरण डिजाइन किए जा सकें।
- **तकनीक का प्रसार:** एचएयू की अकादमिक एवं कृषि विशेषज्ञता और टैफे के मैन्युफैक्चरिंग अनुभव के मेल से आधुनिक कृषि तकनीक को कम समय में जमीनी स्तर पर यानी सीधे किसानों तक पहुंचाया जाएगा।

एक्सपर्ट व्यू

डॉ. नरेश कौशिक, विस्तार शिक्षा निदेशक एवं संसाधन प्रबंधन निदेशक, एचएयू।

किसानों तक पहुंचेगी बेहतर तकनी

एमओयू विश्वविद्यालय, किसानों और उद्योग के सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस कृषि मशीनरी के परीक्षण, अनुसंधान और सुधार मदद मिलेगी तथा बेहतर कृषि तकनीक किसानों त पहुंचाई जा सकेगी। इससे किसानों के लिए अधिक उपयोगी, आसान और बेहतर कृषि उपकरण विक करने में मदद मिलेगी। किसानों की स्थानीय मिट्टी जलवायु की जरूरतों के हिसाब से ट्रैक्टर और उपकरण डिजाइन करने में मदद मिलेगी। खेतों में जुताई, बुआई या कटाई के दौरान आने वाली तक दिक्कतों का वैज्ञानिक विश्लेषण होगा। बेहतर कृ यंत्रीकरण से ईंधन की खपत कम होगी और समय भारी बचत होगी।

▮ एचएयू ने टैफे के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्त किए हैं। इस सहयोग से किसानों की वास्तविक जरूरतों को समझने में मदद मिलेगी। खेतों में ट्रै और अन्य कृषि उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान वाली समस्याओं का अध्ययन किया जाएगा और इसकी जानकारी उद्योग तक पहुंचाई जाएगी।''
- डॉ. राजबीर गर्ग, अनुसंधान निदेशक, एचएयू।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-11-26	03	2-5

हकृवि और टैफे ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए किया एमओयू

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और कृषि उपकरणों को बेहतर बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत किसानों की जरूरत के अनुसार ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों का परीक्षण एवं मूल्यांकन किया जाएगा। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीजों के प्रचार एवं प्रसार के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में टैफे कंपनी के साथ हुए समझौते के दौरान कंपनी की ओर से उपाध्यक्ष मनोहरन सुंदरम, वरिष्ठ प्रधान अभियंता कीर्ति शंकरन व वरिष्ठ प्रबंधक हरजीत सिंह मौजूद रहे। विस्तार शिक्षा निदेशक एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. नरेश कौशिक ने बताया कि यह समझौता विश्वविद्यालय, किसानों और उद्योग के बीच सहयोग बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे कृषि मशीनरी के परीक्षण, अनुसंधान और सुधार में मदद मिलेगी तथा बेहतर कृषि तकनीक किसानों तक पहुंचाई जा सकेगी। उन्होंने बताया कि इस साझेदारी में हकृवि की कृषि विशेषज्ञता और टैफे के ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण बनाने के अनुभव का लाभ मिलेगा। समझौते के तहत टैफे द्वारा आरडीएस सीड्स फार्म को दो ट्रैक्टर उपलब्ध करवाए जाएंगे।



समझौते के दौरान उपस्थित अधिकारी

किसानों की जरूरत के अनुसार बनेंगे उपकरण

अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने कहा कि इस सहयोग से किसानों की वास्तविक जरूरतों को समझने में मदद मिलेगी। खेतों में ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान आने वाली समस्याओं का अध्ययन किया जाएगा और इसकी जानकारी उद्योग तक पहुंचाई जाएगी। इससे किसानों अधिक मदद मिलेगी।

कृषि कार्यों में बढ़ेगी दक्षता : डा. संजय ठकराल

फार्म के निदेशक-कम-नियंत्रण अधिकारी डा. संजय ठकराल ने बताया कि विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्मों में इस तरह की संयुक्त पहल से कृषि कार्यों की दक्षता बढ़ाने और आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कृषि यंत्रीकरण से समय और श्रम की बचत होती है तथा खेती के कार्य अधिक आसान, वैज्ञानिक और प्रभावी बनाए जा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	4-11-26	02	7-8

कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए एमओयू



हिसार के एचएयू में समझौते के दौरान उपस्थित अधिकारी। स्रोत : संस्थान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत किसानों की जरूरत के अनुसार ट्रैक्टरों और कृषि उपकरणों का परीक्षण व मूल्यांकन किया जाएगा। टैफे आरडीएस सीड्स फार्म को दो ट्रैक्टर उपलब्ध करवाएगी। विस्तार शिक्षा एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि इस साझेदारी से कृषि मशीनरी के अनुसंधान और सुधार में मदद मिलेगी। खेतों में उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान आने वाली समस्याओं का अध्ययन कर उद्योग तक जानकारी पहुंचाई जाएगी, ताकि किसानों के लिए बेहतर उपकरण विकसित किए जा सकें। इस अवसर पर टैफे के उपाध्यक्ष मनोहरन सुंदरम सहित दोनों संस्थानों के अधिकारी मौजूद रहे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5-11-24	04	1-2

हकृवि और टैफे ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए किया एम.ओयू

हिसार, 3 नवंबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड ने कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और कृषि उपकरणों को बेहतर बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत किसानों की जरूरत के अनुसार ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों का परीक्षण एवं मूल्यांकन किया जाएगा।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए जा रहे उन्नत किस्मों के बीजों के प्रचार एवं प्रसार के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में टैफे कंपनी के साथ हुए समझौते के दौरान कंपनी की ओर से उपाध्यक्ष मनोहरन सुंदरम, वरिष्ठ प्रधान अभियंता कीर्ति शंकरन व वरिष्ठ प्रबंधक हरजीत सिंह मौजूद रहे।



समझौते के दौरान उपस्थित अधिकारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
धरि-भूमि	5-11-26	09	2-5

हकृवि व टैफे के बीच कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए हुआ एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार



हिसार। हकृवि और टैफे के बीच एमओयू हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित अधिकारी।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (टैफे) ने कृषि यंत्रीकरण को प्रोत्साहन देने तथा कृषि उपकरणों की गुणवत्ता और उपयोगिता बेहतर बनाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्मों पर ट्रैक्टरों और अन्य कृषि उपकरणों का विभिन्न कृषि कार्यों में परीक्षण किया जाएगा। इनके प्रदर्शन का वैज्ञानिक मूल्यांकन कर किसानों की जरूरतों के अनुरूप सुधार के सुझाव कंपनी को दिए जाएंगे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान और तकनीक को किसानों तक पहुंचाने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में टैफे के साथ यह समझौता किया गया है। समझौते के दौरान कंपनी की ओर से उपाध्यक्ष मनोहरन सुंदरम, वरिष्ठ प्रधान अभियंता कीर्ति शंकरन और वरिष्ठ प्रबंधक हरजीत सिंह मौजूद रहे। विस्तार शिक्षा निदेशक एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि यह साझेदारी विश्वविद्यालय, किसानों और कृषि उद्योग के बीच तालमेल मजबूत करेगी। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि खेतों में मशीनों के इस्तेमाल के दौरान किसानों को आने वाली व्यावहारिक समस्याओं का अध्ययन किया जाएगा।